

विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में



-ललित गर्ग

दुनिया की महाशक्ति होने का अर्थ यह नहीं कि कोई राष्ट्र अपनी ताकत के मद में चूर होकर पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने लगे। शक्ति का वास्तविक मूल्य उसकी जिम्मेदारी, न्यायप्रियता और विश्वसनीयता से निर्धारित होता है, न कि इस बात से कि वह कितने देशों को धमका सकता है। दुर्भाग्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों में शक्ति के साथ-साथ मनमानी का जो प्रदर्शन दिखाई दे रहा है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या विश्व व्यवस्था नियमों और सिद्धांतों से चलेगी अथवा शक्तिशाली राष्ट्रों की, मनमानी, सुविधाओं और स्वार्थों से? रूस से डीजल खरीदने के ट्रंप के ताजा फैसले ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बना दिया है। 9 अक्टूबर 2026 को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद घोषणा की कि रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है।

विटंबना देखिए कि यही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को कठघरे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सैनसिटोनिंग रिसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अमेरिका अमेरिका अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों और बाहरी कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए अर्थिक अपराध और रूस की युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं?

अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उपभोक्ताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई देता है। जब भारत अपनी अर्थव्यवस्था, करोड़ों उपभोक्ताओं और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर रूसी तेल खरीदता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। लेकिन जब अमेरिकी मतदाता महंगे ईंधन से परेशान होते हैं, तब वही नैतिकता पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो जाता है। यह वैसी नीति है, जिसमें दूसरों के लिए सिद्धांत और अपने लिए सुविधानुसार अपवाद निर्धारित किए जाते हैं? दूसरों को उपदेश देना आसान है, लेकिन अपने आचरण को उन्हीं कसौटियों पर कसना कठिन।

हिंदी की एक लोकोक्ति है—छापर उपदेश कुशल बहुतेरे। अमेरिका की मौजूदा नीति पर यह कहावत सटीक बैठती है। जो देश पूरी दुनिया को नियमों के पालन की सीख देता है, उसे सबसे पहले अपने व्यवहार में निरंतरता और पारदर्शिता दिखानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोहरे मापदंड केवल विरोधियों को मजबूत नहीं करते, बल्कि विश्व देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल दुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले।

किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन आर्थिक प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उन नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है।

ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की की नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेन्स्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेन्स्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामला को और गंभीर बनाता है। किसी सुप्रसिद्ध देश का राष्ट्रपति कोन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए। शांति की पहल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन शांति के नाम पर युद्ध से पीड़ित देश पर ही असंगत दबाव डालना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

वास्तव में इस घटनाक्रम से दुनिया के सामने एक बड़ा सबक उभरता है। महाशक्ति होना और विश्वसनीय शक्ति होना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली ताकत आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक संसाधनों से मिलती है, दूसरी निष्पक्षता, वचनबद्धता और जिम्मेदार आचरण से अर्जित होती है। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे प्रभावशाली अर्थव्यवस्थाओं और शक्तिशाली संस्थाओं में से एक होने का गौरव है, लेकिन उसकी नीतियों में बार-बार होने वाले असंगत बदलाव उसके नेतृत्व की विश्वसनीयता को कुछ समय के लिए झुकावा जा सकता है, लेकिन भरोसा केवल न्यायपूर्ण आचरण से जीता जा सकता है। अमेरिका के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि अपनी विश्वसनीयता को बचाना है। क्योंकि इतिहास में राष्ट्रों की पहचान केवल उनकी ताकत से नहीं, बल्कि इस बात से भी होती है कि उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल कितनी ईमानदारी और जिम्मेदारी से किया।

प्रेषक:

त्योहारी सीजन में महंगाई का झटका: आम आदमी की थाली से गायब होती राहत



अशोक भाटिया

भारत में त्योहारी सीजन हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उल्लास का प्रतीक है। शरद ऋतु की शुरुआत के साथ ही जब देश दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों की तैयारियों में जुट जाता है, तब बाजारों में रौनक और उपभोक्ता माँग चरम पर होती है। लेकिन इस वर्ष का त्योहारी सीजन आम आदमी के लिए खुशियों के साथ-साथ गहरा आर्थिक तनाव लेकर आया है। मध्यम और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों की थाली से राहत गायब हो चुकी है। खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों ने रसोई का बजट इस कदर बिगाड़ दिया है कि पकवानों की मिठास फीकी पड़ने लगी है। सब्जियाँ, दालें और खाद्य तेल जैसे बुनियादी चीजों के दाम जिस गति से बढ़े हैं, उसने आम आदमी की क्रय शक्ति को कमर तोड़ दी है। इस संकट के बीच केंद्रीय बैंक की हालिया कार्रवाई ने सहाय, कर दिया है कि महंगाई का यह झटका कोई अस्थायी समस्या नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के

भीतर गहरे संरचनात्मक असंतुलन का नतीजा है। महंगाई की इसी मार और देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक सख्त निर्णय लेते हुए रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। फरवरी 2023 के बाद केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में की गई यह पहली बढ़ोतरी है, जिसने बाजारों और उपभोक्ताओं दोनों को चौंका दिया है। रिजर्व बैंक ने न केवल दरों में बढ़ोतरी की, बल्कि अपने नीतिगत रुख को भी 'तटस्थ' से बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में किसी कटौती की संभावना खत्म हो गई है और आने वाले समय में केंद्रीय बैंक तरलता को और कड़ा कर सकता है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। यद्यपि देश की जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को 7.1 प्रतिशत तक संशोधित किया गया है, लेकिन विकास की यह चमक महंगाई के अंधेरे के सामने फीकी पड़ रही है।

आरबीआई की इस कार्रवाई ने आम उपभोक्ता पर दोहरी मार की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ जनता पहले से ही बाजार में महँगी वस्तुओं से त्रस्त है, वहीं दूसरी तरफ रेपो रेट में वृद्धि के कारण होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें तत्काल बढ़ जाएंगी। त्योहारी सीजन में ईएमआई के इस

बढ़ते बोझ ने लोगों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। उच्च ब्याज दरों और महँगी उपभोक्ता वस्तुओं के मेल से बाजार में कुल घरेलू खपत में भारी गिरावट आने की आशंका है। मध्यम वर्ग अपनी गैर-जरूरी खर्चों जैसे कि पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक्स और रेस्तरां पर कटौती करने को मजबूर हो रहा है ताकि अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। केंद्रीय बैंक का मानना है कि ब्याज दरों को बढ़ाकर वह बाजार में माँग को नियंत्रित कर सकेगा, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह महंगाई केवल माँग जनित नहीं है, बल्कि आपूर्ति में व्यवधानों का नतीजा है, जिसे केवल मौद्रिक



उपायों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक बजट का सबसे बड़ा हिस्सा भोजन और घरेलू राशन पर खर्च होता है। पिछले कुछ महीनों में टमाटर, प्याज और आलू जैसी बुनियादी सब्जियों की कीमतें अनियंत्रित रूप से बढ़ी हैं। इसके साथ ही अरहर और उड़द जैसी दालों की कीमतें आम आदमी की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। प्रोटीन के सबसे सुलभ स्रोत का इस तरह महँगा होना पोषण सुरक्षा पर भी सवालिया निशान लगाता है। त्योहारी सीजन में तेल और घी की खपत बढ़ जाती है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति

श्रृंखला में व्यवधान और घरेलू स्तर पर तिलहन उत्पादन में उतार-चढ़ाव के कारण खाद्य तेलों की खुदरा कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। परिवहन ईंधन की उच्च लागत के कारण खेती से मंडियों तक सब्जियों और अनाज को पहुँचाने का भाड़ा बढ़ गया है और इस लॉजिस्टिक्स लागत का अंतिम बोझ आम उपभोक्ता की जेब पर ही ट्रांसफर होता है। इस प्रकार, भोजन की थाली से दाल-रोटी की मात्रा कम होती जा रही है और त्योहारों का पारंपरिक उल्लास केवल एक रस्म अदायगी बनकर रह गया है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और व्यापारिक मार्गों में गतिरोध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे 'आयातित महंगाई' बढ़ी है। इसके अलावा अनियमित मानसून, बेमौसम भारी बारिश और सूखे की स्थिति ने देश के कृषि चक्र को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। खरीफ फसलों के उत्पादन में आई कमी और रबी फसलों की बुवाई को लेकर अनिश्चितताओं ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों को कम नहीं होने दिया है। साथ ही मंडियों में गतिरोध के कारण सक्रियता और त्योहारों के दौरान कृत्रिम कमी पैदा करके मुनाफाखोरी करने वाले तत्वों के कारण भी कीमतें असमान छूटी हैं। जब तक स्थानीय स्तर पर रिजर्व नेटवर्क को पारदर्शी नहीं बनाया जाता, तब तक सरकारी प्रयासों का लाभ आम आदमी तक नहीं पहुँच पाता।

इस पूरी नीति में सबसे बड़ा आर्थिक विरोधाभास देखने को मिलता है। एक तरफ बैंक गर्व से देश की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत करने की घोषणा कर रहा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करता है। लेकिन दूसरी तरफ इसी विकास के समांतर देश की बहुसंख्यक आबादी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रही है। यह स्थिति असमान विकास की ओर इशारा करती है, जहाँ कॉर्पोरेट जगत और उच्च आय वर्ग लगातार तरक्की कर रहे हैं, जबकि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, छोटे व्यापारी, किसान और वेतनभोगी मध्यम वर्ग लगातार आर्थिक तंगहाली के गर्त में जा रहे हैं। जब आम आदमी की थाली खाली हो रही हो, तो 7 प्रतिशत से अधिक की जीडीपी वृद्धि दर उसके लिए केवल एक बेमानी संख्या बनकर रह जाती है। वास्तविक आर्थिक प्रगति वह है जो सामंतिक अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाए।

केवल मौद्रिक नीति से आपूर्ति-पक्ष की महंगाई का स्थायी इलाज संभव नहीं है। सरकार और नीति निर्माताओं को तुरंत बहुआयामी कदम उठाने होंगे। त्योहारी सीजन के दौरान दालों, तेलों और आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए राज्य सरकारों को मूल्य नियंत्रण प्रणालियों को सक्रिय करना चाहिए।

इसके साथ ही भारतीय खाद्य निगम और अन्य सरकारी एजेंसियों के पास मौजूद अनाज और दालों के बफर स्टॉक को तुरंत खुले बाजार में सही कीमतों पर जारी किया जाना चाहिए। माल दुलाई को सस्ता करने के लिए ईंधन पर करों की तार्किक समीक्षा की जानी चाहिए, जिससे आवश्यक वस्तुओं के परिवहन की लागत कम हो सके और अंततः खुदरा कीमतें नीचे आएँ। त्योहार केवल उपभोग और व्यापार के अवसर नहीं होते; वे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, उमंग और मानसिक स्वास्थ्य का आधार होते हैं। यदि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग त्योहारों के दिनों में भी केवल अपनी थाली और राशन के बजट को लेकर चिंतित रहेगा, तो यह एक स्वस्थ समाज के लक्षण नहीं हैं। रिजर्व बैंक की हालिया कार्रवाई ने यह स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियाँ गंभीर हैं और आने वाला समय और अधिक कठिन हो सकता है। ऐसे में सरकार को केवल समष्टिगत आर्थिक आंकड़ों और जीडीपी के जर्जन से बाहर निकलकर आम आदमी की रसोई की वास्तविकताओं पर ध्यान देना होगा। जब तक सरकार राजकोषीय उपायों के माध्यम से आम आदमी को सीधे राहत नहीं देगी, तब तक त्योहारी सीजन की यह कड़वाहट कम नहीं होगी। समय की माँग है कि हम विकास की ऐसी नीतियाँ अपनाएँ जो कॉर्पोरेट विकास के साथ-साथ आम नागरिक की थाली में सम्मान, पोषण और राहत को वापसी सुनिश्चित कर सकें।

उन्नत पेट के कैंसर का उपचार: CRS HIPEC सर्जरी कुछ चुनिंदा मरीजों के लिए नए उपचार विकल्प कैसे प्रदान कर सकती है



डॉ. रामकिशन नाग

होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मरीजों में स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते और बीमारी का पता जांच या सर्जरी के दौरान चलता है।

पहले पेरिटोनियम तक फैले कैंसर का सर्जरी से उपचार करना अक्सर मुश्किल माना जाता था। आज इमेजिंग तकनीकों, शरीर में काम करने वाले कैंसर उपचारों और विशेष सर्जिकल तकनीकों में सुधार के कारण डॉक्टर यह आकलन कर सकते हैं कि किन चुनिंदा मरीजों को अधिक व्यापक उपचार पद्धति से लाभ मिल सकता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि पेट के भीतर कैंसर फैलने का मतलब यह नहीं है कि सर्जरी असंभव है। उपचार का निर्णय कैंसर के मूल स्थान, बीमारी के फैलाव, मरीज की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति और इस बात पर निर्भर करता है कि दिखाई देने वाले कैंसर को सुरक्षित रूप से पर्याप्त सीमा तक हटाया जा सकता है या नहीं।

CRS HIPEC सर्जरी क्या है?

CRS HIPEC एक विशेष उपचार पद्धति है, जिसमें दो प्रक्रियाएं शामिल होती हैं: साइटोरेडक्टिव सर्जरी और पेट की गुहा में गर्म कीमोथेरेपी देना।

1. साइटोरेडक्टिव सर्जरी (CRS) : दिखाई देने वाले कैंसर को हटाना साइटोरेडक्टिव सर्जरी के दौरान सर्जन पेट की गुहा की जांच करते हैं और दिखाई देने वाले ट्यूमर या कैंसर के जमाव को हटाते हैं। कैंसर कहां तक फैला है, इसके आधार पर पेरिटोनियम के प्रभावित हिस्सों और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित अंगों के कुछ हिस्सों को भी हटाना पड़ सकता है। इस सर्जरी का उद्देश्य दिखाई देने वाली बीमारी को पूरी तरह हटाना होता है, बशर्ते ऐसा करना तकनीकी रूप से संभव हो और मरीज के कैंसर के प्रकार के लिए उचित हो। सर्जरी की सीमा ट्यूमर के स्थान और उसके फैलाव के अनुसार अलग-अलग होती है।

चूँकि यह एक जटिल ऑपरेशन है, इसलिए सर्जरी से पहले विस्तृत मूल्यांकन करना आवश्यक है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि संभावित लाभ इसके जोखिमों से अधिक हैं या नहीं।

2. हाइपरथर्मिक इंटरपेरिटोनियल कीमोथेरेपी (HIPEC) : सूक्ष्म कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करना दिखाई देने वाले ट्यूमर को हटाने के बाद भी पेट की गुहा में कैंसर की सूक्ष्म कोशिकाएं बची रह सकती हैं। HIPEC प्रक्रिया में नियंत्रित तापमान पर गर्म की गई कीमोथेरेपी दवा फील्ड में जाने को तैयार कुछ बीट कांस्टेबल। तब पुलिस दक्षता इस बात से आंकी जाती थी कि पुलिस कितनी जल्दी मौके पर पहुंची और कितने लोगों को गिरफ्तार किया। पर बीते 3 दशकों में अंग्रेजों के जमाने की पुलिस के मॉडल का नजरिया पूरी तरह से बदल गया। सज्जिरा अजीजों की गुलामी के जमाने के सी.आर.पी.सी. 1861 जैसी अपराधों की धाराओं को बदल 1 जुलाई, 2024 से भारतीय न्याय जुलुआ (बी.एन.एस.) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

डॉ. रामकिशन नाग एम.सीएच. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी/ लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक कैंसर सर्जरी में फेलोशिप/ पेरिटोनियल सरफेस ऑन्कोलॉजी में फेलोशिप सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, HCG कैंसर सेंटर, मुंबई

को एक निश्चित अवधि तक पेट की गुहा में प्रवाहित किया जाता है। इसका उद्देश्य सर्जरी के बाद बची रह सकने वाली सूक्ष्म कैंसर कोशिकाओं का उपचार करना है।

कैंसर के प्रकार और अपनाई जा रही उपचार पद्धति के अनुसार कीमोथेरेपी की दवा, तापमान और उपचार की अवधि निर्धारित की जाती है।

हालांकि, HIPEC हर मरीज या पेट के हर प्रकार के कैंसर के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके लाभ कैंसर के प्रकार और क्लिनिकल परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग होते हैं। इसे



अपनाने का निर्णय उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों और मरीज की व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर लिया जाना चाहिए।

किन मरीजों को CRS HIPEC से लाभ मिल सकता है? पेरिटोनियल तक फैले कुछ विशेष प्रकार के कैंसर से पीड़ित चुनिंदा मरीजों के लिए CRS HIPEC पर विचार किया जा सकता है। इनमें शामिल हैं:

कोलारेक्टल कैंसर: ऐसे चुनिंदा मरीज जिनका कैंसर पेरिटोनियम तक फैल गया हो।

स्यूटोमालिक्सोमा पेरिटोनी: एक दुर्लभ स्थिति, जो अक्सर अपेंडिक्स से उत्पन्न होने वाले ट्यूमर से संबंधित होती है।

अपेंडिक्स का कैंसर: कुछ ऐसे ट्यूमर जो पेट की गुहा में फैल गए हों।

ओवेरियन कैंसर: बीमारी की विशेषताओं और उपचार योजना के आधार पर कुछ विशेष परिस्थितियों में।

पेरिटोनियल सरफेस के अन्य चुनिंदा कैंसर: ऐसे मामले जिनमें विशेषज्ञ मूल्यांकन और उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाण इस उपचार का समर्थन करते हों।

इनमें से किसी भी प्रकार के कैंसर से पीड़ित हर मरीज को उफर CRS HIPEC से लाभ होगा, ऐसा नहीं है। सर्जरी और गर्म कीमोथेरेपी की भूमिका कैंसर के मूल स्थान, अनस्थ, जैविक विशेषताओं और पहले दिए गए उपचार के प्रति प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है।

डॉक्टर यह कैसे तय करते हैं कि मरीज इस उपचार के लिए योग्य है या नहीं?

उपचार की सिफारिश करने से पहले विशेषज्ञों की टीम CT या MRI स्कैन, बायोप्सी रिपोर्ट, पहले किए गए उपचारों के रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक जांचों की समीक्षा कर सकती है।

कुछ चुनिंदा मामलों में डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की जाती है। यह एक न्यूनतम चीर-फाड़ वाली प्रक्रिया है, जिसमें छोटे कैमरे की सहायता से पेट की गुहा की जांच की जाती है। इससे बीमारी की फैलाव और ट्यूमर को पूरी तरह हटाने की संभावना का आकलन करने में मदद मिल सकती है।

डॉक्टर पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (PCI) का उपयोग करके भी कैंसर के जमाव के फैलाव का आकलन कर सकते हैं। यह एक स्कोरिंग प्रणाली है, जो पेट की गुहा में बीमारी की सीमा का अनुमान लगाने में मदद करती है।

मरीज की शारीरिक क्षमता, पोषण की स्थिति, अन्य बीमारियों और बड़ी सर्जरी सहन करने की क्षमता को भी ध्यान में रखा जाता है।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट और क्टिकल केयर विशेषज्ञों की बहु-विषयक टीम मरीज के लिए सबसे उपयुक्त उपचार योजना निर्धारित करने में मदद कर सकती है।

क्या CRS HIPEC एक बड़ी सर्जरी है?

हां। उफर CRS HIPEC एक जटिल ऑपरेशन है, जिसमें बीमारी के फैलाव और आवश्यक प्रक्रियाओं के आधार पर कई घंटे लग सकते हैं।

ठीक होने की प्रक्रिया में अस्पताल में भर्ती रहना, सर्जरी के बाद करीबी निगरानी, पोषण संबंधी सहायता, दर्द का प्रबंधन और पुनर्वास शामिल हो सकते हैं। कुछ मरीजों को अतिरिक्त प्रक्रियाओं या लंबे समय तक रिकवरी की आवश्यकता हो सकती है।

किसी भी बड़ी सर्जरी की तरह, इसके संभावित जोखिमों में रक्तस्राव, संक्रमण, खून के थक्के बनना, आंत से रिसाव, किडनी से संबंधित समस्याएं और सर्जरी के बाद होने वाली अन्य जटिलताएं शामिल हैं। इन

जोखिमों की संभावना और गंभीरता हर मरीज में अलग-अलग हो सकती है।

इसीलिए मरीज का सावधानीपूर्वक चयन, अनुभवी सर्जिकल टीम और उचित पोस्टऑपरेटिव देखभाल अत्यंत आवश्यक हैं।

सर्जरी से पहले मरीजों और उनके परिवारों की संभावित लाभों, जटिलताओं, रिकवरी की अनुमानित अवधि और उपचार के अन्य विकल्पों के बारे में अपनी मेडिकल टीम से चर्चा करनी चाहिए।

क्या CRS HIPEC से कैंसर पूरी तरह ठीक होने की गारंटी मिलती है?

नहीं। CRS HIPEC कुछ चुनिंदा मरीजों को महत्वपूर्ण लाभ दे सकता है, लेकिन इससे कैंसर पूरी तरह ठीक होने की गारंटी नहीं मिलती।

कुछ मरीजों में बीमारी लंबे समय तक नियंत्रित रह सकती है और लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना हो सकती है। उपचार के परिणाम कई कारकों पर निर्भर करते हैं, जिनमें कैंसर का प्रकार और उसका जैविक व्यवहार, बीमारी का फैलाव, ट्यूमर को हटाने की पूर्णता और मरीज की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति शामिल हैं।

CRS HIPEC कैंसर के अन्य सभी उपचारों का विकल्प नहीं है। निदान और क्लिनिकल परिस्थितियों के आधार पर मरीजों को सर्जरी से पहले या बाद में सामान्य कीमोथेरेपी, टागेटेड थेरेपी या अन्य उपचारों की भी आवश्यकता हो सकती है। उद्देश्य ऐसी उपचार योजना चुनना है जो कैंसर को नियंत्रित करे, मरीज की सुरक्षा और जीवन की गुणवत्ता के बीच संतुलन बनाए रखे। निर्णय लेने से पहले मरीजों को उपचार के संभावित लाभों और सीमाओं के बारे में स्पष्ट एवं वास्तविक जानकारी दी जानी चाहिए।

विशेषज्ञ की सलाह लेना क्यों महत्वपूर्ण है? जब मरीजों को पता चलता है कि कैंसर फैल गया है, तो उन्हें लग सकता है कि उपचार के सभी विकल्प समाप्त हो चुके हैं। हालांकि, उपलब्ध उपचार के विकल्प एक मरीज से दूसरे मरीज में काफी अलग हो सकते हैं। विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन करने से यह निर्धारित करने में मदद मिल

पुलिस के कमांड सेंटर को जाती है। यह घर से दूर एक कामकाजी महिला की सुरक्षा के लिए टैक्नोलॉजी आधारित एक अनूठी पहल है। हैल्पलाइन 1930 पुलिस अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों के साथ जुड़ी है, जहाँ साइबर अपराध संबंधी हर दिन कहीं 5000 करोड़ अलात हैं और बैंक खाते से पैसा निकलने से पहले सिद्धि ट्रंस्फर फ्रीज कर दिया जाता है। साइबर फ्रॉड के मामले रोकने में देश में अबल है, जिससे डिजिटल और जैस घोटाले पर अंकुश लगाया जा रहा है।

पुलिस के कमांड सेंटर को जाती है। यह घर से दूर एक कामकाजी महिला की सुरक्षा के लिए टैक्नोलॉजी आधारित एक अनूठी पहल है। हैल्पलाइन 1930 पुलिस अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों के साथ जुड़ी है, जहाँ साइबर अपराध संबंधी हर दिन कहीं 5000 करोड़ अलात हैं और बैंक खाते से पैसा निकलने से पहले सिद्धि ट्रंस्फर फ्रीज कर दिया जाता है। साइबर फ्रॉड के मामले रोकने में देश में अबल है, जिससे डिजिटल और जैस घोटाले पर अंकुश लगाया जा रहा है।

सकती है कि सर्जरी उचित है या नहीं, पहले सामान्य कीमोथेरेपी जैसे उपचार की आवश्यकता है या नहीं, और उपचार से वास्तविक रूप से किस प्रकार के परिणामों की उम्मीद की जा सकती है।

एक सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के रूप में मेरा मानना है कि प्रत्येक मरीज को अपनी बीमारी, उपलब्ध उपचार विकल्पों और हर विकल्प के संभावित लाभों एवं जोखिमों के बारे में स्पष्ट और ईमानदार जानकारी मिलनी चाहिए। एडवांस्ड कैंसर सर्जरी केवल एक जटिल ऑपरेशन करने के बारे में नहीं है, बल्कि सही मरीज के लिए सही समय पर सही उपचार चुनने के बारे में है।

मुंबई स्थित HCG कैंसर सेंटर के कोलाबा और बोरीवली केंद्रों सहित, मरीज कैंसर के उपचार विकल्पों के लिए विशेषज्ञ मूल्यांकन प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उपयुक्त क्लिनिकल परिस्थितियों में उन्नत सर्जिकल उपचार भी शामिल हैं। पेरिटोनियल तक फैले कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए पेरिटोनियल सरफेस कैंसर के उपचार में अनुभव रखने वाली टीम की सलाह लेना यह स्पष्ट करने में मदद कर सकता है कि उफर CRS HIPEC या कोई अन्य उपचार उनके लिए उपयुक्त है या नहीं। मरीजों और उनके परिवारों के लिए संदेश सरल है: केवल यह सुनकर कि कैंसर फैल गया है, यह न मान लें कि उपचार के कोई विकल्प शेष नहीं हैं। सही निदान को समझना और उचित विशेषज्ञ से मूल्यांकन कराना आवश्यक है। सावधानीपूर्वक जांच और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार योजना के माध्यम से पेरिटोनियल सरफेस कैंसर से पीड़ित कुछ चुनिंदा मरीजों के लिए ऐसी संभावनाएं उपलब्ध हो सकती हैं, जिनकी उन्होंने शुरुआत में कल्पना भी नहीं की थी।

लॉ. रामकिशन नाग मुंबई स्थित HCG कैंसर सेंटर में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में एम.सीएच. की डिग्री प्राप्त की है और लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक कैंसर सर्जरी तथा पेरिटोनियल सरफेस ऑन्कोलॉजी में फेलोशिप पूरी की है। वह मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के पूर्व छात्र हैं। उनकी क्लिनिकल रुचि के प्रमुख क्षेत्रों में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और कोलारेक्टल कैंसर, पेरिटोनियल सरफेस कैंसर तथा उन्नत कैंसर सर्जरी शामिल हैं। इनमें उपयुक्त मरीजों के लिए CRS HIPEC उपचार भी शामिल है।

गया है। एक लाख रुपए से अधिक के साइबर फ्रॉड वाली किसी भी ऑनलाइन शिकायत पर अपने आप जरी एफ.आई.आर. थाने के क्षेत्राधिकार की बाधा के बावजूद देश के किसी भी इलाके में दर्ज हो रही है। हरियाणा पुलिस का अभेद्य एसी फोर् अज्ञात अंतर्राष्ट्रीय जब्तन वसूली केब कौल को संबंधित लोगों तक पहुंचने से पहले ही रोकता है। दोहरा ओ.टी.पी. नंबर, संधिध यू.पी.आई. लेनेदन के ब्लॉक करता है, जिससे डिजिटल और जैस घोटाले पर अंकुश लगाया जा रहा है।

शिवसेना उत्तर भारतीय सेल, उत्तर मुंबई जिला संगठन विस्तार



मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आशीर्वाद से एवं मागाठाणे के विधायक प्रकाश दादा सुर्वे के नेतृत्व तथा उत्तर भारतीय सेल के महाराष्ट्र अध्यक्ष तथा शिवसेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाब दुबे व उत्तर भारतीय सेल के मुंबई कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में शिवसेना उत्तर मुंबई जिला, उत्तर भारतीय सेल के जिला प्रमुख शिवदयाल मिश्रा ने संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। बैठक में सक्रिय प्रदाधिकारियों को विभाग प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया। मागाठाणे वार्ड क्र. 12, 14, 25, 26 के विभाग प्रभारी सुभाष तिवारी, कांदिवली विभाग के विभाग प्रभारी एडवोकेट राहुल उपाध्याय, मागाठाणे वार्ड क्र. 3, 4, 5, 10 के विभाग प्रभारी जितनेश चौबे, दहिसर विभाग के विभाग प्रभारी अनुज अवस्थी, चारकोप विभाग के विभाग प्रभारी सुनील मौर्वा, वार्ड क्र. 8 और 13 के विभाग प्रभारी - संतोष जायसवाल विभाग प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इस अवसर पर जिला प्रमुख शिवदयाल मिश्रा ने सभी नवनियुक्त प्रभारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी अपनी मेहनत और लगन से संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

चेम्बूर के रामलीला गांधी मैदान में भव्य



शोभायात्रा निकाली गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री मयार्द पुरुषोत्तम रामलीला समिति चेम्बूर की तरफ से 33 वें साल में दिव्यभव्य रामलीला महोत्सव 2026 का आयोजन रामलीला गांधी मैदान में किया गया है। पहली बार शोभा यात्रा नवरात्रि के प्रथम दिन श्रीराम सीता, लक्ष्मण और हनुमान रथ पर सवार गांधी मैदान से डायमंड गार्डन पहुंची। मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार अश्विनी कुमार मिश्र और उनकी धर्मपत्नी कुरुसुम मिश्रा नातिन शर्मा ने रामदरबार झांकी का तिलक और आरती कर शोभा यात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा आहोविल मठ से सांडू गार्डन और चेम्बूर रेलवे स्थानक से डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर उद्यान से जाकर रामलीला गांधी मैदान में समाप्त हो गया जहां ढोल और फटाखों से शोभा यात्रा का जोरदार ढंग से स्वागत हुआ। पंडित हर्ष महाराज ने समिति के अध्यक्ष कुणाल डॉ ओमप्रकाश अग्रवाल से विधि विधान और मंत्रोच्चार के बिच श्रीराम सीता, लक्ष्मण और हनुमान की तिलक और आरती कराया। शोभा यात्रा में रामलीला समिति के संस्थापक डॉ ओमप्रकाश अग्रवाल, राम बदलराम अग्रवाल महामंत्री श्रीनिवास शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह, अलका श्रीवास्तव, सतीश अग्रवाल, देवेंद्र शुक्ला, महेन्द्र गुप्ता उपाध्यक्ष सुभाष मराठे, राजा उडेयार, जटाशंकर दुबे, दिनेश अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, लक्ष्मण कोठारी, हेमंत मंत्री राज सदाशिव लोखंडे, रामप्रसाद सैनी, भालचंद्र आर. स्वर्णकार, रामस्वरूप गोयल, अनुज धर्मराज पांडेय, शीतलाप्रसाद यादव, परमेश्वर केसरी, श्याम लोहार, नित्यागजेंद्र नाडार, सुभाष यादव, सहयोगी विश्वकर्मा प्रसाद, श्रवण कुमार दुबे, विजेश अग्रवाल, संजीव शेठ्ठी और कार्यकर्ता गुप्ता गुप्ता, अशोक जयसवार, आदर्श जयसवार, अजय गुप्ता, विजय कृष्णा, ऋतिक, आदित्य जयसवार और भोजपुरी अभिनेता, गायक धर्मेन्द्र खरवार, मास्टर गीत मास्टर विद्यान अग्रवाल के अलावा समिति के कई प्रदाधिकारी और स्थानिक सैकड़ों रामभक्त शोभायात्रा में शामिल थे। गत तीन दिनों राणे डेकोरेटर के बनाये मंच पर श्री जय बजरंग रामायण प्रचारक रामलीला सेवा समिति चित्रकूट धाम सतना मध्य प्रदेश के कुशल कलाकार साई साहू सर्विस के सहयोग से रामलीला का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

समिट एसआईएफ ने लॉन्च किया समिट एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग-शॉर्ट फंड

मुंबई/पटना। समिट एसआईएफ ने आज समिट एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक इंटरवल इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी है, जो बाजार की स्थिति के हिसाब से इक्विटी, डेट, इक्विटी और डेट डेरिवेटिव्स, इन्विस्टमेंट और कमोडिटी डेरिवेटिव्स में निवेश करती है। इसमें डेरिवेटिव्स के जरिए मंजूरी प्राप्त इस्ट्रूमेंट्स में सीमित शॉर्ट पोजीशन लेने की गुंजाइश भी है। परंपरागत रूप से आर्बिट्राज स्ट्रेटजी ज्यादातर कैश और फ्यूचर्स मार्केट की कीमतों के बीच के अंतर (स्प्रेड) से बनने वाले मौकों पर टिकी रही है। लेकिन वित्तीय बाजारों के विकास के साथ अब ऐसे मौके कई तरह के इस्ट्रूमेंट्स, एसेट क्लास और बाजार की अलग-अलग स्थितियों में भी बन सकते हैं। मल्टी-आर्बिट्राज की सोच पर आधारित समिट एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग-शॉर्ट फंड का उद्देश्य एक ही पोर्टफोलियो में आर्बिट्राज के कई मौकों को जोड़ना है। स्ट्रेटजी की नींव कोर आर्बिट्राज पर टिकी है, और इसके साथ सिंथेटिक आर्बिट्राज, इंडेक्स आर्बिट्राज, कमोडिटी आर्बिट्राज और स्पेशल सिक्युरिटीज में मिलने वाले अतिरिक्त मौकों के जरिए निवेश के मौकों का दायरा और बढ़ाने की कोशिश की जाएगी।

स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ लॉन्च किया

नया कैपेन, अपने जिंजर गार्लिक पेस्ट के बारे में किया जागरूक

मुंबई/पटना। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ अपना नया कैपेन लॉन्च किया है। भारत का नंबर-1 कुकिंग पेस्ट यानी 'स्मिथ एंड जोन्स जिंजर गार्लिक पेस्ट' बनाने वाले इस ब्रांड के नए कैपेन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बड़े ही मजेदार और दिलचस्प अंदाज में समझाना है कि उन्हें जिंजर गार्लिक पेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए किया गया जागरूक

डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और APK ऐप्स के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के लिए साइबर अपराध जनजागृति एवं सुरक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार 12 अक्टूबर 2026 को शाम 4:30 बजे सातपाटी सागरी पुलिस थाने के कार्यक्षेत्र में आने वाली पाम टेंथी कोस्टल चेक पोस्ट पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहायक

पुलिस निरीक्षक उद्धव सुर्वे ने नागरी संरक्षण दल, तारापुर, जिला पालघर के अंतर्गत बोईसर विभाग के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए लगातार नए-नए डिजिटल तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। मार्गदर्शन के दौरान डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी, अनधिकृत APK ऐप डाउनलोड करने से मोबाइल में फैलने वाले मालवेयर, डउ अपडेट के बहाने होने वाली धोखाधड़ी, फर्जी शेयर ट्रेडिंग एवं निवेश योजनाएं, ऑनलाइन कर्ज देने वाले फर्जी ऐप, नकली खरीदारी



वेबसाइट, यूटिलिटी स्पाफिंग, विवाह संबंधी वेबसाइटों के माध्यम से ठगी और फर्जी कस्टमर केयर नंबरों के जरिए होने वाली आर्थिक धोखाधड़ी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। सहायक पुलिस निरीक्षक उद्धव सुर्वे ने नागरिकों से

अपील की कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अविश्वसनीय स्रोतों से मोबाइल ऐप डाउनलोड करने से बचें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, बैंक खाते की जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें। KYC अपडेट

करने अथवा किसी सरकारी कार्रवाई का डर दिखाकर पैसे मांगने वाले कॉल और संदेशों से भी सतर्क रहें। सुर्वे ने नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों से कहा कि कार्यक्रम में प्राप्त साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने मित्रों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा सके और वे डिजिटल ठगी का शिकार होने से बच सकें।

यह कार्यक्रम नागरी संरक्षण दल पालघर जिला उपनियंत्रक काशनाथ आर. कुरकुटे

के मार्गदर्शन तथा बोईसर विभाग के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हरके के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर नागरी संरक्षण दल की दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी सुष्मा जाधव, प्रिया पाटील, पूर्व मानसेवी अधिकारी गौरव पाटील सहित नागरिक सुरक्षा दल के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और डिजिटल माध्यमों से होने वाली आर्थिक धोखाधड़ी से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वयंसेवकों से इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आहवान किया गया।

टेका पद्धति हटाने, पुरानी पेंशन लागू करने की मांग को लेकर आम सभा और सत्कार समारोह सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार और समिति के माध्यम से राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ हॉल परेल में सार्वजनिक सत्कार और कामगार सम्मेलन का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र के आराध्य दैवत छत्रपति शिवाजी महाराज, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, महर्षि वाल्मीकि भगवान, समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को अभिवादन कर दीप प्रज्वलित किया गया। सभा अध्यक्ष गोविंदभाई परमार और संगठन की समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। गोविंदभाई परमार के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र के उपेक्षित सफाई कामगार समाज के लिए महाराष्ट्र शासन के अनेक जी/आर जिसमें लाड-पागे समिति, मालकी हक के घर, सफाई कामगार बचाओ ठेकेदारी प्रथा हटाओ और पुरानी पेंशन योजना कामगार कर्मचारियों को लागू करने, साथ ही मुंबई महानगरपालिका के खाडा बदली (1995 से 2007) कामगारों के 240



दिन के विषय के लाभ सभी विभागों में जल्द से जल्द कामगार कर्मचारियों को दिए जाएं और कॉन्ट्रैक्ट में गए मोटर लोडर के विषय पर विस्तार से व्याख्या इन तमाम मुद्दों पर सभा में उपस्थित सचिनभाऊ अहिर (उपसभापति, विधान परिषद), रविभाऊ कलसे (सदस्य, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग), मुकेश सारवान (उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र सफाई कर्मचारी आयोग), बाबूभाई भवानजी (पूर्व उपमहापौर, मुंबई महानगरपालिका) और गोविंदराव मोहिते (राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के महासचिव) द्वारा

लोटस ग्राउंड में मां जगदंबा के दर्शन के लिए उमड़ें श्रद्धालु

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मीरा भायंदर स्थित लोटस ग्राउंड में आयोजित नवरात्रि उत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां दुर्गा और मां जगदंबा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उत्सव स्थल पर पहुंच रहे हैं। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर मीरा रोड के वाई क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने लोटस ग्राउंड नवरात्रि उत्सव में उपस्थित होकर मां दुर्गा जगदंबा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, भाजपा विधायक नरेंद्र उन्ही ने भी मां जगदंबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस



अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता ने मां शक्ति से प्रार्थना करते हुए कामना की कि सभी भक्तों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। उन्होंने नवरात्रि के पावन पर्व पर सभों के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। लोटस ग्राउंड में आयोजित नवरात्रि उत्सव में पारंपरिक संस्कृत डांडिया गरब

खेलते हुए मां दुर्गा की भक्ति, पूजा-अर्चना और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से उत्सव स्थल भावमय हो उठा है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर भक्त मां जगदंबा के दर्शन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर प्रतिभाशाली बच्चों का किया गया सम्मान



कल्याण (उत्तरशक्ति)। अग्रवाल समाज कल्याण की ओर से समाज के कुलगुरु महाराजा अग्रसेन जी की 5180वीं जयंती धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर माता रानी की चौकी का आयोजन किया गया। साथ ही समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अग्रवाल समाज कल्याण के अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने बताया कि जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रिजेंसी ग्रुप के मुख्य प्रबंध निदेशक महेश अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य

बंसल, रजनीश अग्रवाल, आत्मा राम डिडवासेया, डी.पी. अग्रवाल, रमाकांत अग्रवाल, राजीव गुप्ता और मनोज अग्रवाल के विशेष योगदान की सराहना की। समारोह में समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात करना और उनके विचारों को समाज में आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही नई पीढ़ी में सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी भावना विकसित करना रहा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत संपत्ति हस्तांतरण प्रमाणपत्रों का वितरण



सुविधाजनक तरीके से उन तक पहुंचाना है। जनप्रतिनिधि और मनपा अधिकारी रहे उपस्थित इस अवसर महापौर श्रीमती डिंपल मेहता, उप महापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, प्रभाग समिति क्रमांक 6 के सभापति प्रशांत

दलवी, संपत्ति कर विभाग की उपायुक्त प्रणाली घोंगे, सहा, आयुक्त श्रीमती प्रियंका वानखेडे नगरसेवक तुषार पारधी, नगरसेवक आनंद मांजरेकर नगरसेविका मनस्वी पाटील, संपत्ति कर विभाग के

अधिकारी चंद्रकांत बोरसे, भारत सोनारे, सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नागरिकों को एक ही स्थान पर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस शिविर के माध्यम से संपत्ति कर से संबंधित प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया गया। संपत्ति हस्तांतरण के दस्तावेजों एवं प्रमाणपत्रों का वितरण कर नागरिकों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। महानगरपालिका की इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को संपत्ति कर संबंधी कार्यों में सुविधा होगी और मिलने की उम्मीद है।

विधायक संजय उपाध्याय के हाथों रामलीला महोत्सव 2026 का भूमि पूजन संपन्न

बोरीवली (उत्तरशक्ति)।

श्री आदर्श रामलीला उपसमिति द्वारा आयोजित होने वाले रामलीला महोत्सव 2026 का भूमि पूजन मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को विधायक संजय उपाध्याय के हाथों विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और रामभक्तों की उपस्थिति रही।

श्री आदर्श रामलीला उपसमिति द्वारा इस वर्ष 22 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हिंदी भाषी संघ की ओर से 1 नवंबर 2026 को अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सभी कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष एड., रामकृपाल उपाध्याय के अध्यक्षता में पंडित रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, अजंता सिनेमा के सामने, बोरीवली पश्चिम में



संपन्न होंगे। भूमि पूजन समारोह में विधायक संजय उपाध्याय ने विधिवत पूजा-अर्चना कर रामलीला महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल सेठी, विंदुपाथि सिंह, एड., जयप्रकाश मिश्र, श्रीमती जिगना शाह, नयनेश शाह, ब्रह्मदेव तिवारी, डॉ. विनोद मिश्र, ब्रह्मदेव सिंह, सूर्यकांत उपाध्याय, सुरेंद्र गुप्ता, बिना दोषी, अरविंद यादव, प्रवीण शाह, विनोद शास्त्री, सतीश

मिश्रा, सतीश दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं रामभक्त उपस्थित रहे। रामलीला महोत्सव भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इस आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन, मयार्दा, सत्य, धर्म और आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

रेलवे पुल पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई किशोरी, इलाज के दौरान मौत

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के टेढ़ा गांव निवासी 17 वर्षीय सहिना खातून की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल किशोरी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टेढ़ा

गांव निवासी मुराद अहमद की पुत्री सहिना खातून मंगलवार सुबह करीब पांच बजे घर से निकली थी। इसी दौरान टेमा नदी स्थित रेलवे पुल पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद किशोरी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर

कर दिया गया। परिन उनसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी की मौत से परिवार में मातम पसरा है, वहीं घटना के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

जौनपुर में डेंगू के 23 और मलेरिया के 19 मरीज मिले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एक अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम ने बताया कि अभियान के तहत साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार के अनुसार, जनवरी 2026 से अब तक जनपद में डेंगू के 23 पुष्ट और मलेरिया के 19 मरीज सामने आए हैं। अभियान के तहत

पंचायती राज विभाग ने 992 स्थानों पर साफ-सफाई तथा 1,098 स्थानों पर नालियों की सफाई कराई। नगर पालिका एवं नगर पंचायतों द्वारा 11,001 नालियों की सफाई और 251 मोहल्लों में फॉगिंग एवं

31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

एंटीलार्वा छिड़काव कराया गया। शिक्षा विभाग ने 1,823 जागरूकता गोष्ठियों एवं रैलियों का आयोजन किया और 98,708 प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों को संचारी रोगों से बचाव की शपथ दिलाई। कृषि विभाग ने 434 कुक्क गोष्ठियों के माध्यम से किसानों को

जागरूक किया, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने मच्छरों के 4,229 प्रजनन स्थलों को चिह्नित कर नष्ट कराया। सीएमओ ने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में संक्रामक रोगों की जांच एवं उपचार की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से घरों के आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर एवं गमलों का पानी नियमित रूप से बदलने, पानी की टंकियों को ढककर रखने और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बुखार आने पर लापरवाही न बरतें और तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं उपचार कराएं।

पुत्रेष्टि यज्ञ से श्रीराम जन्म तक, भक्ति और उल्लास में डूबा हिण्डालको रेणुकूट

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिण्डालको रामलीला परिषद के तत्वावधान में आयोजित रामलीला के दूसरे दिन भगवान श्रीराम के जन्म, चारों भाइयों के नामकरण सारंग और माता सीता के प्राकट्य का भव्य मंचन किया गया। श्रीराम जन्म के दृश्य पर पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गुंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मानव संसाधन प्रमुख जसवीर सिंह एवं श्रीमती सीमा सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणेश पूजन कर किया। मंचन में राजा दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ, चारों राजकुमारों के जन्म एवं गुरु वशिष्ठ द्वारा नामकरण संस्कार का सुंदर चित्रण किया गया।

इसके बाद गुरु वशिष्ठ के आश्रम में चारों भाइयों की शिक्षा और बाल लीलाओं तथा मुनि विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान श्रीराम



और लक्ष्मण द्वारा राक्षसों के संहार का प्रभावशाली मंचन हुआ। जनकपुर में अकाल से परेशान प्रजा और राजा जनक द्वारा हल चलाने के प्रसंग के बाद माता सीता के दिव्य

प्राकट्य का दृश्य भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष पी.के. उपाध्याय, सचिव आदित्य प्रकाश पांडेय, कोषाध्यक्ष पद्माकर मिश्रा, निर्देशक राजेंद्र सिंह एवं राजेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

परिषद के अध्यक्ष पी.के. उपाध्याय ने बताया कि तीसरे दिन धनुष यज्ञ, परशुराम-लक्ष्मण संवाद तथा भगवान श्रीराम और माता सीता के

विवाह प्रसंग का भव्य मंचन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रामलीला का आनंद लेने की अपील की।

मो.सैफ की पैरवी के बाद मो.समीर को हाईकोर्ट से जमानत, एम.एम. ट्रस्ट ने दी बधाई

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी क्षेत्र के करियावा गांव स्थित मदीना मस्जिद ट्रस्ट (एम.एम. ट्रस्ट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. आमिर के छोटे भाई मो. समीर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की। इस मौके पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार एडवोकेट मो. सैफ को बधाई देते हुए उनकी कानूनी पैरवी की सराहना की गई।

ट्रस्ट के अनुसार, मो. समीर को 12 अक्टूबर 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिली। इस मामले में क्रिमिनल मिस. बेल एप्लीकेशन संख्या 32208/2026 पर अदालत ने आदेश पारित किया।

मो. समीर को 12 जून 2026 को गिरफ्तार किया गया था। मामला



हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोपों से जुड़ा है।

ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि मामले में एडवोकेट मो. सैफ ने तथ्यों के विश्लेषण और कानूनी

दलीलों के आधार पर पैरवी की। इस दौरान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अकील अहमद और इंद्र कुमार चतुर्वेदी ने भी सहयोग किया। सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की अदालत से जमानत का आदेश पारित हुआ। जमानत मिलने पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. आमिर, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मो. शकील अहमद, राष्ट्रीय सचिव कमालुद्दीन समेत अन्य पदाधिकारियों ने एडवोकेट मो. सैफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तथ्यों के आधार पर प्रभावी कानूनी पैरवी और समर्पण न्यायिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'सेवा मेरा योगदान' के अंतर्गत फामेसी संस्थान में हुआ पौधरोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फामेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को



'सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के अंतर्गत 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी.फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फामेसी

संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों को छंटाई (पूनींग) का कार्य संपन्न

हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, 'सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी

जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत का निर्माण संभव है।'

फामेसी विभागध्यक्ष डॉ. नूपेंद्र सिंह ने कहा, फामेसी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, हूपरिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रा. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपने दैनिक जीवन में सेवा भावना और स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

मेडिकल कालेज, जौनपुर से सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख (पैरामेडिकल) का तृतीय बैच निकला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कमल के दिशा निर्देश में सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल डा0 प्रियंका सिंह एवं सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख (पैरामेडिकल) के नोडल डा0 विनोद वर्मा के द्वारा पैरामेडिकल के छात्रों के विदाई समारोह का आयोजन बड़े.हर्षोल्लास के मनाया गया। यह समारोह सीनियर बैच 2024 के छात्रों के विदाई सम्मान में जूनियर बैच 2025 के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई।

तदुपश्चात चीफ प्रॉक्टर प्रो0 रूचिरा सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन एक नई शुरुआत का संकेत है। आप सभी ने इस संस्थान में न केवल शिक्षा प्राप्त की है, बल्कि अनुशासन, सेवा और मानवता के मूल्यों को भी सीखा है। पैरामेडिकल क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ आपकी ज्ञान और सेवा भावना सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। हम आशा

जूनियर ने सीनियर को दी विदाई



करते हैं कि आप जहाँ भी जाएँ हमारे कालेज का नाम रोशन करें। आपके व्यवहार और कार्यशैली से यह झलकना चाहिए कि आप एक अच्छे इंसान और जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी हैं। पैरामेडिकल विभाग के नोडल डा0 विनोद वर्मा ने छात्रों को अपने संबोधन में कहा "विदाई केवल एक अंत नहीं, बल्कि एक नए

सफर की शुरुआत है। आप सभी ने जिस समर्पण अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त की है, वही गुण आपको सफलता के मार्ग पर आगे ले जाएंगे।" उन्होंने छात्रों को आशीर्चन देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और यह संदेश दिया कि वे जहाँ भी जाएँ, संस्थान का नाम रोशन करें। छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के

जौनपुर में करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार 75 लाख की ठगी के मामले में कार्रवाई, 1.55 करोड़ रुपये कराए गए होल्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में तीन अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक चेकबुक बरामद हुई है। पुलिस ने करीब 1.55 करोड़ रुपये विभिन्न बैंक खातों में होल्ड कराए हैं।



पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने शिकायतकर्ता के मैनेजर का व्हाट्सएप हैक कर दो बैंक खातों में 45 लाख और 30 लाख रुपये, कुल 75 लाख रुपये ट्रांसफर कराए थे। जांच में संबंधित खातों में 1.83 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़ी रकम आने की जानकारी मिली है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद कुमार मिश्रा और कमल यादव, निवासी महाराजगंज, तथा लवकेश कुमार सिंह, निवासी बाराबंकी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ अन्य राज्यों में भी साइबर ठगी से संबंधित मामले दर्ज हैं। एसएसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में साइबर क्राइम, सर्विलांस और स्वाट टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

केराकत में हिस्ट्रीशीटर गुलाब पाल की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के बलाईपुर पतिला गांव में मंगलवार को हिस्ट्रीशीटर गुलाब पाल की गोली मारकर हत्या किए जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अज्ञात हमलावर ने गुलाब पाल को गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केराकत ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस हमलावर की पहचान करने के साथ ही वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और पुलिस की विस्तृत कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

मछलीशहर में सरकारी बस की टक्कर से युवक की मौत, इलाके में मचा हड़कंप

अरशद अली मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर क्षेत्र के बरईपार चौराहे के पास सरकारी बस की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान आनापुर गांव निवासी युवक के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। बस चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। हादसे से संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

राज्य ललित कला अकादमी की क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के लिए 4 नवंबर 2026 तक कलाकार करें आवेदन

पन्द्रह-पन्द्रह हजार के तीन अकादमी पुरस्कार जीते कलाकार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय चित्रकला प्रदर्शनी लखनऊ/ प्रयागराज में प्रतिभाग करने के लिए 4 नंबर 2026 तक आवेदन करें कलाकार। यह सूचना क्षेत्रीय प्रदर्शनी संयोजक वरिष्ठ अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने मीडिया को दी है। क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी 25 से 30 नवंबर 2026 के मध्य आयोजित होगी। इसमें लखनऊ, प्रयागराज, कोशांबी, प्रतापगढ़, रायबरेली, उन्नाव, चित्रकूट, अमेठी, एवं बाराबंकी के कलाकार प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रतिभागी को ललित कला अकादमी द्वारा जारी फार्म दो-दो प्रतियों में जमा करने के साथ दो पेंटिंग की दो-दो फोटोग्राफ 5 गुण 7 इंच एवं स्वयं की दो-दो फोटोग्राफ 5 गुण 7 इंच की 4 नवंबर 2026 तक संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा के पास 41/11 करेलाबाग कॉलोनी तुलसीपुर प्रयागराज में जमा करना होगा। इस संबंध में 9450635436, 8687809780 पर संपर्क कर सकते हैं। संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा, सह-संयोजक तलत महमूद के नेतृत्व में क्षेत्रीय चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित होगी। अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अमृत अभिजात, उपाध्यक्ष गिरीशचन्द्र मिश्र एवं निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री द्वारा यह जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रदर्शनी में चर्चनित तीन उत्कृष्ट कलाकृतियों के कलाकारों को अकादमी द्वारा पन्द्रह- पन्द्रह हजार रुपए पुरस्कार राशि, सर्टिफिकेट एवं स्मृति चिन्ह द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। यह प्रदर्शनी क्षेत्र के युवा कलाकारों एवं वरिष्ठ कलाकारों को राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित है।



फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में 'मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग' विषय पर पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का 'ब्रेन' उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स के पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने 'मिशन प्लानर' के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर, ड्रोन तकनीक और सेंसर पर बूटकैप का दूसरा दिन

व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने 'पीआईडी कंट्रोलर' से छात्रों का

के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण



परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्प्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन

कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्व, डॉ. ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सोहभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

जौनपुर पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरी सम्मेलन आयोजित, मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन जौनपुर में मंगलवार को ग्राम प्रहरी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्राम प्रहरीयों को संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव, पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र वैभव कुण्ण और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. यशवीर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्मेलन में ग्राम प्रहरीयों को साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सड़क सुरक्षा नियमों के पालन तथा असामाजिक और अराजक तत्वों की गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। अधिकाधिकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस तक गांवों की महत्वपूर्ण सूचनाएं पहुंचाने में ग्राम प्रहरीयों की भूमिका की सराहना की। ग्राम प्रहरीयों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में

साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा को लेकर ग्राम प्रहरीयों को किया गया जागरूक



सतर्कता बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। साथ ही पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने ग्राम

प्रहरीयों को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनन्त चन्द्रशेखर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी, क्षेत्राधिकारी केराकत गिरेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्राम प्रहरी मौजूद रहे।

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान: डॉ.कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट्स ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ.जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को



मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल

उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉनोस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े

पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंद्र मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, दीपति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

मयंक दुबे ने श्रीराम कथा वाचक गुरुजी से प्राप्त किया आशीर्वाद



वसई। वसई पश्चिम स्थित स्वामीनारायण मंदिर में सुंदर एवं भक्तिमय श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की महिमा का श्रवण कर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। इस धार्मिक आयोजन में युवा वर्ग से मयंक दुबे ने विशेष रूप से उपस्थित होकर श्रीराम कथा वाचक गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके साथ कल्पेश चौहान, लालजी कर्नोजिया और सुरेश हेगड़े भी उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया तथा गुरुजी से आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

मेधावी बच्चों को साइकिल व शैक्षणिक सामग्री का वितरण



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री अजरामर जैन स्थानकवासी संघ, वागड नगर की ओर से मीरारोड पूर्व में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों को मजबूत करने के उद्देश्य से समाजसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 30 मेधावी बालक-बालिकाओं को शिक्षा में सहयोग के लिए साइकिल और नोटबुक सहित शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के साथ उनकी शैक्षणिक यात्रा को सुविधाजनक बनाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में दानवीर भामाशाह पारस चपलौत, संघ प्रमुख पीयूष केनिया, महायोजन सुराणा, कमलेश छाजेड़ और रचित शाह ने सहभागिता की। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। इसके साथ ही नैतिक मूल्यों और संस्कारों का जीवन में विशेष महत्व है। राजस्थान सरकार द्वारा 'भामाशाह रत्न' की उपाधि से विभूषित वरिष्ठ समाजसेवी पारस चपलौत ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धर्म से भी जुड़े रहना चाहिए, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकें।

उन्होंने बच्चों से नियमित रूप से जैन पाठशाला में आने और जैन धर्म की शिक्षाओं एवं संस्कारों को अपने जीवन में अपनावे का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और वई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने पर जोर दिया गया। साइकिल और पठन सामग्री प्राप्त कर विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन मिला। यह आयोजन समाज की ओर से शिक्षा और संस्कारों को साथ लेकर आगे बढ़ने की पहल के रूप में सामने आया।

18 पहलवान राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सोनियर पुरुष एवं महिला राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए आजमगढ़ की टीम का चयन कर लिया गया है। जिला कुश्ती संघ ने रविवार को सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में चयन ट्रायल आयोजित किया। इस ट्रायल में कुल 18 पहलवानों को चुना गया। ये पहलवान फ्रीस्टाइल पुरुष, ग्रीको रोमन पुरुष और महिला वर्ग से हैं। चयनित खिलाड़ी 23 से 26 अक्टूबर तक गोरखपुर में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता मुरारी इंटर कॉलेज, सहजनवा में आयोजित होगी। जयप्रकाश यादव ने उम्मीद जताई कि आजमगढ़ के खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अधिक से अधिक पदक जीतेंगे। वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करेंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जिले का नाम प्रदेश और देश में रोशन होना चाहिए। इस अवसर पर मुन्ना यादव, सत्यवान यादव, रामवृक्ष यादव, इंद्रेश यादव, अमरजीत यादव, अरविंद कुमार, रागिनी यादव और गोपाल यादव मौजूद रहे। अन्य कुश्ती प्रेमी भी इस दौरान उपस्थित थे।

पेट्रोल पंप के खाते से 35 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी

वाराणसी। इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप के बैंक खाते से 35 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई है। पंप मालिक ने साइबर क्राइम थाने में साइबर ठगी समेत अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सिगरा थाना क्षेत्र के विनय कुंज अपार्टमेंट निवासी पीड़िता नीलिमा सिंह ने पुलिस को बताया कि इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर कार्यरत अकाउंटेंट सचिन मिश्रा ने 6 अक्तूबर को इस्तीफा दिया था। वह एक महीने के नोटिस पीरियड पर काम कर रहा था। 7 अक्तूबर को उसके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से फर्म के बैंक खातों का बैंलेंस बताते वाला संदेश आया। अकाउंटेंट के फोन में यह नंबर मालिक के नाम से सेव था। उसे लगा कि यह संदेश फर्म के मालिक ने भेजा है। इसी धोखे में आकर अकाउंटेंट ने उसी अज्ञात नंबर के निदेशानुसार रिस्तेदार के अन्य पेट्रोल पंप के मैनेजर से हड़बड़ी में दो लेन-देन करवा दिए। इसके बाद 8 अक्तूबर को जालसाजी ने पेट्रोल पंप के मैनेजर को झांसे में लिया। उन्होंने पार्थसारथी सर्विसेज के बैंक खाते में 35 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक उदयवीर सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। महिला के खाते से उड़ाए 95 हजार : चितईपुर थाना क्षेत्र के विवेकानंद पुरम कॉलोनी की रहने वाली अलका राय साइबर ठगी का शिकार हो गईं। जालसाज ने मोबाइल पर एपीके फाइल डाउनलोड कराकर उनके फोन का रिमोट एक्सेस हासिल किया और गूगल पे के माध्यम से उनके एसबीआई के खाते से 95 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए। चितईपुर थाना प्रभारी राकेश गौतम ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

चार फरार आरोपियों के घर कुर्की का नोटिस चस्पा

चंदौली। कोडिन युक्त कफ सिरप के कथित अवैध कारोबार से जुड़े मुकदमों में फरार चल रहे चार आरोपियों के खिलाफ चंदौली पुलिस ने कानूनी शिकंजा कस दिया है। न्यायालय के आदेश पर शनिवार को पुलिस टीम ने वाराणसी स्थित आरोपियों के आवासों पर पहुंचकर मुनादी कराई और मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा किए।

यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 के तहत की गई। पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2025 में मुगलसराय थाने में कोडिन युक्त कफ सिरप के कथित अवैध क्रय-विक्रय, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा अपराध संख्या 570/2025 और 571/2025 दर्ज किए गए थे। इन मामलों में वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल, प्रशांत कुमार कसेरा, अंजली रानी कसेरी और आकाश गुप्ता वांछित हैं।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में अपने नए शोरूम का किया शुभारंभ

नवी मुंबई। दुनिया के चौथे सबसे बड़े 'ज्वेलरी रिटेलर और 'द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर' के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में अपने नए शोरूम का शुभारंभ किया है। लगभग 1,734 वर्ग फुट में फैले इस शोरूम की शुरुआत के साथ, ब्रांड ने महाराष्ट्र में अपनी रिटेल मौजूदगी को मजबूत किया है और इस इलाके के ग्राहकों के लिए नए जमाने की ज्वेलरी का खास कलेक्शन लेकर आया है। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के ग्लोबल रिटेल स्टैंडर्ड्स के हिसाब से डिजाइन किया गया यह नया शोरूम ग्राहकों को ज्वेलरी की खरीदारी का बेहद शानदार और सुकून भरा अनुभव देता है। यहाँ मॉडर्न, हल्के और युवाओं को पसंद आने वाले डिजाइन मौजूद हैं, जो नवी मुंबई के खरीदारों की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। यह कलेक्शन खास तौर पर



25 से 35 साल के युवा ग्राहकों के लिए है, जिसमें हर दिन पहनने के लिए उपयुक्त ज्वेलरी के अलावा अलग-अलग मौकों के लिए कई तरह के डिजाइन उपलब्ध हैं। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की वेस्ट जोन ब्रांड एंबेसडर और जानी-मानी अदाकारा प्रार्थना बेहरे ने इस नए शोरूम का उद्घाटन किया। और इस मौके पर उनके साथ फंजीम

अहमद ए टी, हेड-रिटेल एक्सपेंशन एवं रीजनल हेड वेस्ट के साथ-साथ कई खास मेहमान और सम्मानित ग्राहक भी मौजूद थे।

इस मौके पर मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, एम.पी. अहमद ने कहा, नेक्सस सीवुड्स मॉल में हमारे नए शोरूम का शुरुआत महाराष्ट्र में हमारी मौजूदगी को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया एक

बड़ा कदम है। हर नया शोरूम हमें मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को ग्राहकों के और करीब लाने और लगातार बदलते बाजार में उन्हें बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध कराने का मौका देता है।

सीवुड्स में अपनी मौजूदगी के जरिए, हम नवी मुंबई के ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते बनाने और मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स से खरीदारी पर मिलने वाले भरोसे को और आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे लिए, विस्तार का मतलब 'द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर' बनने के हमारे वादे को पूरा करना भी है, जिसमें शुद्धता, पारदर्शी कीमत और अपने कामकाज में पूरी ईमानदारी पर खास जोर दिया जाता है। हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं, और हमारी यही कोशिश है कि हर नया शोरूम इन उसूलों पर खरा उतरे और ग्राहकों के उस अटूट भरोसे को हमेशा कायम रखे जो उन्होंने सालों से हम पर जताया है।

एस्टी सोशल एंड वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित नवरात्र उत्सव में पत्रकार अमित मिश्रा का सत्कार



एसोसिएशन' द्वारा बोरीवली (पश्चिम) के साईबाबा नगर में भव्य नवरात्र उत्सव का आयोजन किया गया है। मंडल द्वारा स्थापित अम्बा माता की दिव्य और आकर्षक मूर्ति भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी है। भव्य पंडाल की उत्कृष्ट सजावट और जगमग रोशनी ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में बड़ी संख्या में प्रति दिन हजारों श्रद्धालुओं ने माता की

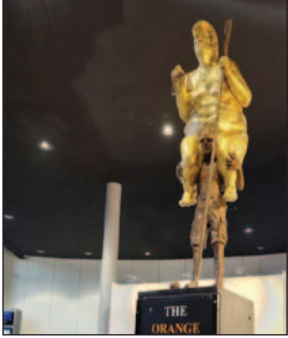
मूर्ति का दर्शन करने पहुंच रहे हैं। इस पावन अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में वरिष्ठ पत्रकार - लेखक अमित मिश्रा को सामाजिक क्षेत्र और पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुम्बई कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व एसोसिएशन के प्रमुख भूषण पाटिल ने शॉल, और स्मृति चिन्ह देकर अमित मिश्रा को सम्मानित किया।

सत्कार के उपरांत पत्रकार अमित मिश्रा ने मीडिया से बात की

व आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर एस्टी सोशल एंड वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष भूषण पाटिल, मनोज नायर, रविन्द्र पाटिल, वृजभूषण खंडाल, नीरज पाटिया, वरुण पाटिल, रमेश धावड़े, आशीष बोगेशरा, आशीष जाधव, पार्थ वधन,दिनेश जानी, विनय नगराले, मिहिर सिंह,रितेश पुजारी तथा मनोज सोनावणे उपस्थित रहे।

यूरोपीय संसद में ट्रंप की सुनहरी प्रतिमा, सत्ता और न्याय पर तीखा व्यंग्य

प्रेम चंद मिश्रा फ्रांस (उत्तरशक्ति)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक विवादास्पद सुनहरी प्रतिमा इन दिनों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। डेनमार्क के कलाकार जेन्स गाल्लिश्योत की बनाई गई लगभग 2.6 मीटर ऊंची यह कलाकृति अक्टूबर के पहले सप्ताह में फ्रांस के स्ट्रुसबर्ग स्थित यूरोपीय संसद भवन में प्रदर्शित की गई थी। द ऑरेंज प्लेग नामक इस प्रतिमा में ट्रंप को नग्न अवस्था में एक कमजोर व्यक्ति के कंधों पर बैठे दिखाया गया है। प्रतिमा में उनके हाथ में गोलू क्लब और न्याय के तराजू जैसे प्रतीक भी हैं। इस पर 23 कैरेट सोने की परत चढ़ाई गई है। कलाकार ने



इसे किंग ऑफ इनजस्टिस यानी अन्याय का राजा नाम भी दिया है। कलाकार के अनुसार, प्रतिमा का उद्देश्य दुनिया में सत्ता के असमान इस्तेमाल और ताकतवर नेताओं के फसलों का कमजोर लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव को सामने लाना है।

प्रतिमा के आधार पर लिखे संदेश में एक व्यक्ति का उल्लेख है, जो दूसरे का बोझ उठाते हुए दबता जा रहा है, जबकि उस पर बैठा व्यक्ति उसकी मदद करने की बात तो करता है, लेकिन उसकी पीठ से उतरने को तैयार नहीं होता। यह प्रतीकात्मक संदेश वैश्विक राजनीति में शक्ति, जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर सवाल उठाता है। कलाकार जेन्स गाल्लिश्योत ने इस कलाकृति के माध्यम से ट्रंप की जलवायु संबंधी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति उनके दृष्टिकोण की आलोचना की है। उनका मानना ​​है कि पर्यावरण संरक्षण और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर दुनिया को अधिक गंभीरता से लेना चाहिए।



-प्रणित नरेंद्र तिवारी इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में दशहरा पर्व को लेकर दशहरा मैदान पर तैयारियां तेज हो गई हैं। दशहरा महोत्सव समिति रावण दहन की तैयारी में जुटी है। रावण के दसों मुख बनाने का काम पूरा हो चुका है। अब उसका धड़ और 250 फीट ऊंची

इंदौर में अब नहीं होगी पानी की कमी, हर वार्ड का बनेगा मास्टर प्लान



-प्रणित नरेंद्र तिवारी इंदौर (उत्तरशक्ति)। अल्पवर्षा के चलते आगामी ग्रीष्मवर्षा में जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने वार्ड

वार पानी की उपलब्धता और आवश्यकता का आकलन कर इसका मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। महापौर ने कहा कि पिछले ग्रीष्मवर्षा में जिन क्षेत्रों में जलसंकट सामने आया था, उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन क्षेत्रों में टैंकरों की उपलब्धता से लेकर बोरिंग हाइड्रेट और पाइपलाइन की स्थिति तक की समीक्षा कर आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। महापौर ने स्मार्ट सिटी ऑफिस में उच्चस्तरीय बैठक भी ली। इसमें जलप्रदाय विभाग के प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', अपर आयुक्त आशीष पाठक भी उपस्थित थे। यह जानकारी प्रेस विज्ञापित के माध्यम से प्रदिप व्यास ने दी है।

समाजवाद और डॉ राममोहोर लोहिया



लाल शेखर सिंह मुंबई। समाजवाद एक ऐसा विषय जिसे सिर्फ जिया एक शख्स ने और अब उसके नाम पे सिर्फ राजनीति बची है, समाजवादी पूरे हक से कहते है कि हम समाजवादी है, उनमें में से क्या किसी को यह भी पता है कि समाजवाद क्या है क्या है उसकी परिभाषा, समाजवाद क्या होता है, जिसके कथनी

और करनी दोनों में समाजवाद की झलक मिलती थी ऐसे व्यक्ति थे डॉ राम मनोहर लोहिया। डॉ लोहिया की शख्सियत परिचय की मोहताज नही है। कोई घर नही , परिवार नही , न कोई पूंजी , न ओहदा । देश के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू से टकराते थे विचारों से , कार्यपद्धति से , यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव भी लड़ते । एक बार अपने लोगों के बीच बैठे थे अचानक एक सवाल पूछ बैठे - मान लो हम बीमार हो जांय तो कौन हमारी अच्छी देखभाल करेगा ? सब ने अलग अलग राय दी। डॉ लोहिया सुनते रहे । और सब को नकार कर जो बात उन्होंने कही उस पर सब हैरान । डॉ साहब ने कहा - पंडित जी (पंडित जवाहर लाल नेहरू) के घर से ज्यादा ख्याल हमारा कोई और नही करेगा। जब डॉ लोहिया काआपरेशन हुआ और वे हॉस्पिटल में थे तो पंडित नेहरू की बेटी इंदिरागांधी जो उस समय प्रधान मंत्री थी , ने सबसे ज्यादा देख भाल किया । बे नागा सुबह शाम श्रीमती गांधी उन्हें देखने विलिंगटन हॉस्पिटल जाती रही और उनकी मृत्यु के बाद अर्थो को कंधा देने वालों में सबसे पहले थी।

इंदौर के दशहरा मैदान में रावण के दसों मुख तैयार : बनेगी 250 फीट ऊंची लंका



लंका तैयार की जाएगी। और 111फीट रावण का दहन किया जाएगा। समिति के अनुसार, 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे रावण और लंका का दहन कि टा । जाएगा।दशहरा । मैदान दशहरा समिति के संयोजक सत्यनारायण सलवाडिया और पिंटू जोशी ने बताया कि कलाकार लगातार निर्माण कार्य में जुटे हैं। इनमें सुरेश शर्मा, लंका बनाने में मनोज तोमर, अतुल हर्निया, राजेश छैबला, गणेश विजयराय, प्रवीण

हड़गांवकर, राकेश वर्मा और विनय हड़गांवकर सहित अन्य कलाकार योगदान दे रहे हैं। समिति के संयोजक सलवाडिया ने बताया कि दशहरा मैदान पर रावण दहन के दौरान पिछले 50 वर्षों से गेरा परिवार की खेमा एजेंसी निशुल्क आतिशबाजी करती आ रही है। इस साल भी रंग-बिरंगी आतिशबाजी की जाएगी, जो रावण और लंका दहन के साथ दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। दशहरा महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति के पदाधिकारी व्यवस्थाओं में जुटे हैं। इनमें सुरेश मिंडा, नारायण सिंह यादव, प्रहलाद शर्मा, जितेंद्र गाविरा, वीरू झंडो और शंकर चिंतामणि सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

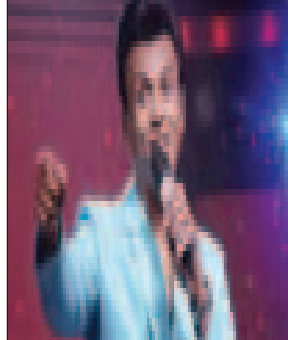
जौनपुर: सांप के काटने से मासूम बच्ची की मौत, परिवार में मचा कोहराम



जितेन्द्र कर्नोजिया केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव में सांप के काटने से मासूम बच्ची काव्या की मौत हो गई। इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजय यादव की पुत्री

काव्या को 12 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे सांप ने काट लिया था। बच्ची की हालत बिगड़ने पर परिवजने उसे उपचार के लिए लालगंज और फिर जौनपुर सदर ले गए, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। मासूम की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अभिजीत सावंत ने इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न में शानदार वापसी की



पटना (उत्तरशक्ति)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का इंडियन

आइडल - लीजेंड्स रिटर्न दर्शकों को एक यादगार म्यूजिकल सफर पर ले जाने के लिए तैयार है। इंडियन आइडल के विजेता अभिजीत सावंत उनके साथी सीजन प्रतियोगी अमित साना और जज हिमेश रेशमिया करते हैं, जिससे यह पुनर्मिलन शो की शानदार म्यूजिकल विरासत का एक यादगार जसन बन जाता है। अभिजीत सावंत ने कहा कि इंडियन आइडल के मंच पर दोबारा कदम

रखना मेरे लिए भावनाओं से भरा एक अविश्वसनीय अनुभव है, क्योंकि यही वह जगह है जहां से मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई थी। मुझे आज भी वह घबराहट, वह रह है, जहां से उनके म्यूजिकल सफर की शुरुआत हुई थी। उनकी इस बहुप्रतीक्षित वापसी का स्वागत उनके साथी सीजन प्रतियोगी अमित साना और जज हिमेश रेशमिया करते हैं, जिससे यह पुनर्मिलन शो की शानदार म्यूजिकल विरासत का एक यादगार जसन बन जाता है। अभिजीत सावंत ने कहा कि इंडियन आइडल के मंच पर दोबारा कदम



डॉ मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकला, जौनपुर



अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल



डॉ. मोहम्मद अंजद
एम.बी.बी.एस.
जरनल फिजिशियन

डॉ अयू फेमल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डॉ एम के वर्मा
MBBS, MS
(लैप्रोस्कोपिक सर्जन)
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डॉ मोहम्मद अब्दुल्लाह
MBBS, DNB, MD (Lucknow)
सुर, चैस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डॉ यसीरा अली
MBBS, MS (Job & Gyna Surgeon)
और रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (infertility)
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डॉ मोहम्मद अब्दुल्लाह
MBBS, MS
(लैप्रोस्कोपिक सर्जन)
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डॉ सना अब्दुल्लाह
MBBS, MS
(लैप्रोस्कोपिक सर्जन)
समय - सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
(सहस्रचिकित्सा)

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चैस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चावनी, हाइड्रोसेल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकला, जौनपुर 9451610571, 7380850571



ए.एम. बजाज



प्रो अब्दुल गान्जि 8 मानी कला, गुरेनो रोड, जौनपुर- 222139 9521032344, 9551316060, 9521313686

नेशनल फूड लैबोरेटरी की जाँच में लोढ़े चोको पाई का सैंपल खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा

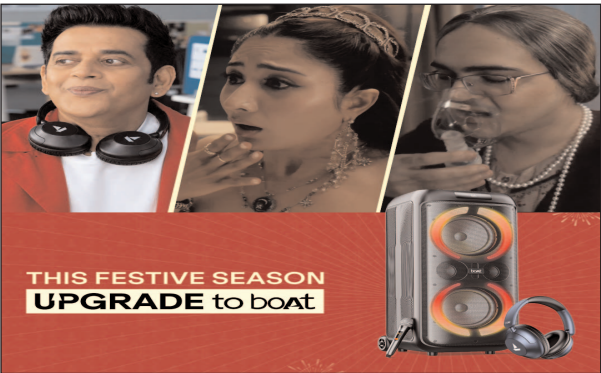
गाजियाबाद। गाजियाबाद की नेशनल फूड लैबोरेटरी (गाजियाबाद लैब) में हुई जाँच में लोढ़े इंडिया के सबसे पसंदीदा प्रोडक्ट लोढ़े चोको पाई का सैंपल तब खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है और इसे खाने के लिए पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) से रेफरल फूड लैबोरेटरी के रूप में मान्यता प्राप्त नेशनल फूड लैबोरेटरी, गाजियाबाद में उसी बैच के सैंपल की जाँच की गई है, जिसके पहले के परीक्षण में कथित तौर पर मानकों पर खरा न उतरने की बात सामने आई थी। जाँच के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोढ़े इंडिया भारतीय खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने और ग्राहकों व व्यापारिक भागीदारों का भरोसा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्ता के कड़े मानकों को बनाए रखने के लिए लोढ़े इंडिया ने सैंपल की स्वतंत्र जाँच कराने के अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल किया। इसके तहत 10 अप्रैल, 2026 को बने बैच नंबर एनएम10डीसी2 का सैंपल छत्तीसगढ़ के दुर्ग स्थित एफडीए ने स्वतंत्र जाँच के लिए नेशनल फूड लैबोरेटरी, गाजियाबाद भेजा। लैब में हुई जाँच में पुष्टि हुई कि लोढ़े चोको पाई खाद्य सुरक्षा से जुड़े सभी लागू मानकों पर खरा उतरता है। इस मामले पर टिप्पणी करते हुए, लोढ़े इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मिलन वाही ने कहा, हमारे ग्राहकों की सुरक्षा और उनका भरोसा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह मामला सामने आते ही हमने तेजी से और जिम्मेदारी के साथ कदम उठाए। जाँच पूरी होने के तुरंत बाद पर संबंधित बैच को बाजार से वापस मंगाने का फैसला भी लिया। हम गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और नियमों के पालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्किपर लिमिटेड ने पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व सीएमडी आर. एन. नायक को गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया



मुंबई। स्किपर लिमिटेड ने आज अपने निदेशक मंडल में आर. एन. नायक को गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए जाने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति 12 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगी। श्री नायक पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हैं। उन्हें विद्युत क्षेत्र के प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) में वरिष्ठ पदों पर कार्य करने का 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इन उपक्रमों में पीजीसीआईएल और एनटीपीसी शामिल हैं। पीजीसीआईएल में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने लगभग 10,000 कर्मचारियों की टीम का नेतृत्व किया और कंपनी के कारोबार में उल्लेखनीय बदलाव लाते हुए महज तीन वर्षों से कुछ अधिक समय में उसकी परिसंपत्तियों, राजस्व और मुनाफे को दोगुने से भी अधिक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में श्री नायक कई कंपनियों के निदेशक मंडल में कार्यरत हैं। इनमें ओडिशा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड, टीपी नॉर्दन ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, ग्रिडको लिमिटेड, डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, यश हाई वोल्टेज लिमिटेड, आईएमपी पावर, ओएचपीसी, जीईडीसीओएल, पावरिका लिमिटेड और प्यूचर स्मार्टेक (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वह वाशिंगटन स्थित विश्व बैंक समूह के सलाहकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय सीमा-पार परियोजनाओं पर परामर्श देते हैं। साथ ही, वह कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परामर्श कंपनियों की अपनी सेवाएँ प्रदान करते हैं। श्री नायक ने आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्री तथा एनआईटी राउरकेला से स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

बोट का नया दिवाली अभियान अपग्रेड टू बोट लॉन्च



मुंबई। भारत के प्रमुख ऑडियो और वियरेबल्स ब्रांड बोट ने अपने नए दिवाली अभियान अपग्रेड टू बोट का ऐलान किया है। इस अभियान में प्रसिद्ध अभिनेता रवि किशन, लोकप्रिय क्रिएटर श्रेया कालरा और सुफी मोतीवाला नजर आ रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दिवाली के त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को अपने रोजमर्रा के तकनीकी उपकरणों और ऑडियो प्रोडक्ट्स को अपग्रेड करने के लिए प्रेरित करना है।

दूसरों के आलोचक बनने से पहले अपने ऑडियो प्रोडक्ट्स को अपग्रेड करें की अनूठी सोच पर आधारित यह अभियान उपहारों और रोजमर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी मजेदार परिस्थितियों के जरिए यह संदेश देता

है कि सही तकनीक संगीत सुनने, घर पर मनोरंजन करने और खास पलों को यादगार बनाने के अनुभव को कई गुना बेहतर बना सकती है। दिवाली के दौरान लोग अक्सर घर के नवीनीकरण, नए कपड़ों और बड़े इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन रोजमर्रा में उपभोक्ता होने वाले ऑडियो और पर्सनल टेक डिवाइस इस लिस्ट से छूट जाते हैं। बोट ने इसी फेसिटव मिसमैच को अपने अभियान का आधार बनाया है। अभियान के तहत जारी तीनों डिजिटल फिल्में अलग-अलग वास्तविक परिस्थितियों को हलके-हलके अंदाज में सामने लाती हैं। इनमें रवि किशन एक कार्यस्थल की स्थिति में नजर आते हैं, जहाँ बोट

मां चंद्रघंटा की आराधना से गूजे मंदिर, सुरों से सजा काशी विश्वनाथ धाम

देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के दर्शन-पूजन के लिए उमड़ें श्रद्धालु, मंदिर चौक में संगीत और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने बांधा समां

–सुरेश गांधी
वाराणसी। शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन मंगलवार को काशी मां चंद्रघंटा की आराधना में लीन रही।



देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी तो घंटों और शंखनाद के बीच मां के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण की कामना की। आस्था की इस धारा में काशी की धार्मिक परंपरा के साथ सांस्कृतिक वैभव भी जीवंत होता रहा।

नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि मां चंद्रघंटा साहस, शौर्य और निर्भयता की प्रतीक हैं। उनके मस्तक पर विराजमान अर्धचंद्र और घंटे के आकार के चिह्न के कारण उन्हें यह नाम मिला। भक्तों के लिए मां का यह स्वरूप अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और जीवन में साहस के साथ

'मेन ऑफ प्लेटिनम' ने मॉडर्न सफलता के हर अंदाज के लिए नए डिजाइन्स के साथ अपना कलेक्शन पेश किया



मतलब है मजबूत चरित्र—अपना रास्ता खुद बनाने का पक्का इरादा, आगे बढ़ते रहने का हासला और वे मूल्य जो कामयाबी को एक स्थायी अर्थ देते हैं। यह कलेक्शन 'मेन ऑफ प्लेटिनम' की दुनिया को और बड़ा बनाता है। इसमें बोल्ड और खास प्लेटिनम ज्वेलरी के साथ-साथ हल्के और मॉडर्न डिजाइन भी शामिल हैं, जिन्हें रोजाना पहना जा सकता है। ताराशे हुए आकार, जियोमेट्रिक सतहें, आपस में जुड़े हुए लिंक और रंगों व फिनिश का सोच-समझकर किया गया कंट्रास्ट—ये सब मिलकर पर्सनल स्टाइल की एक अलग पहचान बनाते हैं। इसमें ऐसी ज्वेलरी है जो कामयाबी और रुतबे को दिखाती है, तो ऐसी भी जो किसी पुरुष की पहचान का हिस्सा बन जाती है। रोहित शर्मा का संयम और नेतृत्व उनके उस चरित्र और मूल्यों को दर्शाती है जो सफलता को बनाए रखते हैं। अनिरुद्ध रविचंद्र का खुद पर भरोसा और लगातार आगे बढ़ने की इच्छा उनके उस चरित्र को दिखाती है जो सफलता दिलाता है। उनके अलग-अलग सफर, इस ज्वेलरी को इसे पहनने वाले पुरुषों की पसंद और मूल्यों से जोड़ने का एक जरिया बनते हैं। हर पीस के केंद्र में प्लेटिनम है — एक कीमती धातु जो अपनी टिकाऊपन के लिए जानी जाती है। इसकी मजबूती और प्राकृतिक सफेद रंग उन डिजाइन्स का आधार बनते हैं जो भारी स्टेटमेंट पीसेस से लेकर रिफाईंड एवरीडे ज्वेलरी तक फैले हैं। हर पीस को उसे पहनने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए बनाया जाता है। प्लेटिनम अपनी मजबूती के लिए जाना जाता है। मुझे लगता है कि यही खूबी इसे उस जज्बे का मजबूत प्रतीक बनाती है जो सुखलाते है बावजूद आगे बढ़ते रहने के लिए जरूरी है। अनिरुद्ध रविचंद्र ने कहा: मेरे लिए, सफलता का मतलब हमेशा खुद पर भरोसा करना, अपना रास्ता खुद बनाना और लगातार आगे बढ़ते रहना रहा है। प्लैटिनम गिल्ड इंटरनेशनल में ग्लोबल मार्केट डेवलपमेंट की हेड और इंडिया व एमई, की मैनेजिंग डायरेक्टर, वैशाली बनर्जी ने कहा पुरुष अब अपनी जिंदगी में कई तरह से और कई मौकों पर ज्वेलरी पहन रहे हैं। इस कलेक्शन के साथ, हम 'मेन ऑफ प्लैटिनम' को सिर्फ कामयाब लोगों के लिए खास पीस से आगे बढ़ाकर, उन युवा पुरुषों के लिए भी डिजाइन-फॉरवर्ड थिंकल्प ला रहे हैं जो अपना स्टाइल बना रहे हैं। यह पुरुषों की ज्वेलरी कैटेगरी में प्लेटिनम की जगह को और बड़े पैमाने पर दिखाता है। ये डिजाइन 'मेन ऑफ प्लैटिनम' की वैल्यूज को असल रूप में सामने लाते हैं।

हृदय और पैरों की धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज व्यक्ति की मणिपाल हॉस्पिटल सॉल्ट लेक में जटिल एंजियोप्लास्टी गई

मुंबई। कोलकाता के 42 वर्षीय निवासी गौरव मेहता (बदला हुआ नाम) को शारीरिक गतिविधि के दौरान सांस लेने में तकलीफ और चलते समय पिंडलियों की मांसपेशियों में तेज दर्द की शिकायत थी। जांच में पता चला कि उनके हृदय की धमनियों के साथ-साथ दोनों पैरों की धमनियों में भी गंभीर ब्लॉकेज हैं। मणिपाल हॉस्पिटल, सॉल्ट लेक के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी, डॉ. प्रार्थ सारथी बनर्जी ने स्टेंट और ड्राग-प्लूयिंग बैलून की मदद से जटिल एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की, जिससे धमनियों में सामान्य रक्त प्रवाह बहाल हो गया। इस प्रक्रिया में तीन घंटे से अधिक का समय लगा। श्री मेहता में हृदय रोग के कई जोखिम कारक मौजूद थे, जिन्हें उच्च रक्तचाप, धूम्रपान और अशुद्ध वजन शामिल थे। उनके हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी, जबकि इसीजी में कोई गंभीर बदलाव नहीं दिखाई दिया। हालाँकि, शारीरिक जांच के दौरान दोनों पैरों में नाड़ी बहुत कमजोर पाई गई, जिससे गंभीर पेरिफरल आर्टियरियल डिजीज की आशंका हुई। उनके लक्षणों और जांच के निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए हृदय की रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियों और पैरों की रक्त पहुंचाने वाली धमनियों की स्थिति का आकलन करने के लिए एंजियोग्राफी करने का निर्णय लिया गया। एंजियोग्राफी में धमनियों में व्यापक बीमारी पता चला। हृदय की बाई एंटीरियर डिसेंडिंग कोरोनरी धमनी के एक लंबे हिस्से में लगभग 90 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जबकि दाई कोरोनरी धमनी पूरी तरह से बंद थी। आगे की जांच में किडनी की रक्त पहुंचाने वाली रीनल धमनियां सामान्य पाई गईं। हालाँकि, दाएं पैर की सुपराफिशियल फेमोरल आर्टरी पूरी तरह से बंद थी, जबकि बाएं पैर की इसी धमनी में भी गंभीर संकुचन था।

आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मंदिर चौक में सुरों ने सजाई भक्ति की शाम

श्री काशी विश्वनाथ धाम के मंदिर चौक (शंकराचार्य चौक) में आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने नवरात्रि के उल्लास को सुरों और नृत्य की लय से समृद्ध किया। सुश्री श्वेता श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में बसाक सिस्टर्स और उनके सहयोगी कलाकारों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। इसके बाद सुश्री वसुंधरा शर्मा के नृत्य समूह ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। भजन गायक अमलेश शुक्ल और सुश्री आस्था ने अपने सह कलाकारों के साथ सुधमुर भजनों की प्रस्तुति दी। संगीत की मधुर स्वर लहरियों ने मंदिर चौक के वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। सुर, ताल और भाव की

बॉयलर दुर्घटनाओं की जांच से लेकर बदलते सुरक्षा कानूनों तक, बॉयलर निदेशालय ने उठाए मुद्दे

नवी मुंबई। बॉयलर दुर्घटनाओं की जांच, सुरक्षा कानूनों और नियमों में बदलाव, बिजली उत्पादन क्षेत्र की चुनौतियों तथा नई तकनीकों के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के साथ तीन दिवसीय हर्बायलर इंडिया २०२६ का समापन हुआ। महाराष्ट्र सरकार के बॉयलर निदेशालय की ओर से नवी मुंबई के सिडको प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और तकनीकी सम्मेलन में औद्योगिक सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण के अनुकूल बॉयलर संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। तीन दिनों के दौरान १७ तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें २,५०० से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में २५० से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए। देश और विदेश के विशेषज्ञों ने बॉयलर उद्योग में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीकों, सुरक्षित संचालन और ऊर्जा की बचत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य बॉयलर दुर्घटनाओं की रोकथाम और उद्योगों में सुरक्षित तथा कुशल संचालन के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा करना था। सम्मेलन में बॉयलर दुर्घटनाओं का विश्लेषण और उनसे जुड़े मामलों का अध्ययन, नए बॉयलर कानूनों और नियमों की समीक्षा, बॉयलर नियंत्रण प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग, भविष्य की जरूरतों के



अनुसार बिजली उत्पादन संयंत्रों की तैयारी और नगर निगम के ठोस कचरे के प्रबंधन से जुड़ी तकनीकों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से पहले और दूसरे दिन बॉयलर नियंत्रण प्रणाली में एआई के उपयोग तथा बिजली क्षेत्र की चुनौतियों पर आयोजित सत्रों में विशेषज्ञों ने औद्योगिक सुरक्षा बढ़ाने, ऊर्जा दक्षता में सुधार करने और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे।

समापन समारोह में राष्ट्रीय उत्कृष्ट बॉयलर उपयोगकर्ता प्रतियोगिता २०२६ के विजेताओं की पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से लगभग २६० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। छह औद्योगिक श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों की घोषणा की गई।

बिजली उत्पादन संयंत्र श्रेणी में

ग्राम सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ग्राम प्रहरियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी सौगात

बलरामपुर। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस प्रशासन के सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रहरियों के सम्मान एवं कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नाथ नगरी बरेली में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 68 हजार ग्राम प्रहरियों के सम्मानित किया गया तथा उनके आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान की गईं। इसी क्रम में जनपद के रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में ग्राम प्रहरी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय विधायक बलरामपुर सदर पट्टराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला,

जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक मार्टण्ड प्रकाश सिंह सहित जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए ग्राम प्रहरियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्राम प्रहरियों द्वारा मुख्यमंत्री के राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं उनके प्रेरणादायी संबोधन का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ द्वारा दशहरा पर्व के अवसर पर प्रदेश के ग्राम प्रहरियों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री जी द्वारा ग्राम प्रहरियों के मानदेय में 1,000 की वृद्धि किए जाने तथा उन्हें 5 लाख तक की नि:शुल्क केशलेस स्वास्थ्य उपचार सुविधा प्रदान किए जाने की सौगात दी गई। प्रदेश सरकार की इस पहल से ग्राम प्रहरियों को आर्थिक संबल प्राप्त होगा तथा स्वास्थ्य संबंधी

आवश्यकताओं की पूर्ति में भी बड़ी राहत मिलेगी। इससे ग्राम प्रहरियों एवं उनके परिवारों में सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर विधायक बलरामपुर सदर पट्टराम ने अपने संबोधन में ग्राम प्रहरियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे गांवों की स्थानीय परिस्थितियों से भलीभांति परिचित होते हैं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अश्रिय घटना की सूचना समय से पुलिस प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मोटोहाउस इंडिया का महाराष्ट्र में विस्तार, अंधेरी व मुंबई में ब्रिक्स्टन मोटरसाइकिल्स और वीएलएफ स्कूटर्स का नया शोरूम शुरू

मुंबई। मोटोहाउस इंडिया ने आज मुंबई में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया। देशभर में अपने कारोबार का तेजी से विस्तार कर रही कंपनी के लिए यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। ट्राइडेंट ट्रस्टेड व्हील्स एलएलपी (TRIDENT TRUSTED WHEELS LLP) के नाम से शुरू किए गए इस नए शोरूम का नेतृत्व डीनर प्रिंसिपल श्री सुदीपो घोषाल करेंगे। इस शोरूम में मोटोहाउस इंडिया के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के मोटरसाइकिल और स्कूटर उपलब्ध होंगे। इनमें ऑस्टिया की ब्रिक्स्टन मोटरसाइकिल्स और इटली के बोलोग्ना में डिजाइन किए गए वीएलएफ स्कूटर्स शामिल हैं। मुंबई भारत के प्रमुख वाहन और लाइफस्टाइल बाजारों में से एक है। मुंबई में नए शोरूम की शुरुआत से मोटोहाउस इंडिया का रिटेल नेटवर्क और मजबूत होगा। इससे भारत के प्रमुख



बाजारों में ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स की खास मोटरसाइकिल्स और स्कूटर्स उपलब्ध कराने के कंपनी के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। मुंबई में मोटरसाइकिल चलाने का शौक, प्रीमियम वाहनों की बढ़ती मांग, बदलती जीवनशैली और वाहनों के नए विकल्पों में बढ़ती रुचि के कारण यह शहर मोटोहाउस के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। ग्राहकों को ब्रांड का खास अनुभव देने के साथ ही वाहन खरीदने, उनकी जानकारी प्राप्त करने, श्राक सेवा और बाइक चलाने वालों के लिए आयोजित गतिविधियों में शामिल होने

का अवसर देने के उद्देश्य से यह नया शोरूम शुरू किया गया है। इस उद्घाटन समारोह में प्रिंट, डिजिटल, ऑटोमोटिव और लाइफस्टाइल मीडिया के प्रतिनिधि, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, मोटरसाइकिल प्रेमी, ब्रांड से जुड़े प्रमुख लोग और आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर मोटोहाउस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर तुषार शेलके ने कहा, हमारे भारत में मोटोहाउस का विस्तार करने की दिशा में मुंबई हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण बाजार है। मुंबई में नए शोरूम के शुरू होने से हम अपनी यूरोपीय मोटरसाइकिल्स और स्कूटर्स को ऐसे ग्राहकों तक पहुंचा सकेंगे, जो आकर्षक डिजाइन, दमदार प्रदर्शन, आधुनिक तकनीक और अलग पहचान को महत्व देते हैं। हमारा उद्देश्य केवल

डीलर नेटवर्क का विस्तार करना ही नहीं है, बल्कि ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाना, राइडर्स का समुदाय तैयार करना और वाहन खरीदने से लेकर उसके इस्तेमाल तक ग्राहकों को एक अलग अनुभव देना भी है। मुंबई में इस नए शोरूम के उद्घाटन पर मोटोहाउस मुंबई के डीलर प्रिंसिपल सुदीपो घोषाल ने कहा, मोटोहाउस इंडिया के साथ नए ग्राहकों को एक अलग पहचान दे रहा है। मुंबई में मोटरसाइकिल चलाने वालों का एक बड़ा और विविध समुदाय है। हमें उम्मीद है कि आकर्षक डिजाइन, अलग पहचान और दमदार प्रदर्शन वाले वाहनों को इस शहर में अच्छी मांग मिलेगी। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को बेहतरीन और प्रीमियम अनुभव देना तथा पूरे मुंबई में मोटोहाउस का एक मजबूत राइडर समुदाय तैयार करना है।

ब्रिटेन छोड़कर भाग रहे अरबपति, अब इन देशों का बढ़ाएंगे खजाना, देश की नीतियों पर उठे सवाल

ब्रिटेन। ब्रिटेन के कई धनाढ्य कारोबारी और अरबपति देश को ब्रह्माल व्यवस्था और नीतियों से परेशान होकर अब ऐसे देशों का रुख कर रहे हैं, जहां की व्यवस्था व परिस्थितियां उनके लिए अधिक अनुकूल हैं। ऐसे में वड के अमीर निवेशकों को स्विट्जरलैंड, मोनाको, ग्रीस और दुबई जैसे ठिकाने आकर्षित कर रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस रुझान से ब्रिटेन की वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा और वहां के संपत्ति कारोबार पर असर पड़ने की चिंता बढ़ी है। हालांकि, उपलब्ध सरकारी आंकड़े बताते हैं कि कर में विशेष छूट लेने वाले धनी विदेशी निवासियों की संख्या में कुल गिरावट अब तक सीमित रही है।

ब्रिटेन के धनी कारोबारी पहले से ही स्विट्जरलैंड के जिनेवा, इटली के मिलान और मोनाको जैसे ठिकानों को पसंद करते रहे हैं। अब कुछ दूसरे देश भी उन्हें आकर्षित कर रहे हैं। हालांकि, सभी कारोबारी

केवल कर बचाने के लिए ही देश नहीं बदलते। उनके फैसलों में जीवनशैली, बच्चों की शिक्षा, उत्तराधिकार कानून, सांस्कृतिक गतिविधियां और कारोबार के अवसर भी अहम भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीस कुछ विदेशी आय पर 15 वर्ष तक स्थानीय कर से छूट देता है, जबकि तुर्किये में यह लाभ 20 वर्ष तक मिल सकता है। तुर्किये में उत्तराधिकार कर भी अपेक्षाकृत कम बताया गया है। स्पेन में भी विदेशी पेशेवरों के लिए विशेष छूट लेने वाले धनी विदेशी निवासियों की संख्या में कुल गिरावट अब तक सीमित रही है।

व्यावसायिक सुविधाओं की तुलना करते हैं। वित्तीय कंपनियों ने ब्रिटेन में कारोबार करने की लागत और कर संबंधी नियमों पर सवाल उठाए हैं। माइकल प्लेट की कंपनी ब्लूक्रेस्ट कि कुछ वरिष्ठ कारोबारियों के कर निर्धारण पर अवलत में फैसला आने के बाद ब्रिटेन अब कारोबार के लिए पहले जैसा आकर्षक विकल्प नहीं रहा। अवर्षित एलेक्स गेरको भी कारोबार से अर्जित कुछ मुनाफे पर कर के विवाद में कानूनी लड़ाई हार चुके हैं। इन घटनाओं ने ब्रिटेन की कर नीतियों और कारोबारी माहौल को लेकर बहस तेज की है। हालांकि, कुछ प्रमुख धनाढ्य लोगों के देह छोड़ने की खबरों को पूरे अमीर वर्ग के पलायन का प्रमाण नहीं माना जा सकता। ब्रिटेन के कर अधिकारियों के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 तक समाप्त वित्त वर्ष में विदेश से होने वाली आय पर विशेष कर व्यवस्था का लाभ लेने वाले धनी विदेशी निवासियों की

संख्या में केवल 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे संकेत मिलता है कि बड़े कारोबारियों के देश छोड़ने की चर्चाओं के बावजूद समग्र आंकड़ों में गिरावट सीमित रही है। दूसरी ओर, ब्रिटेन की विपक्षी केंजर्वेटिव पार्टी ने क्रिस रोकांस के ग्रीस जाने की खबर को सरकार की कर नीतियों पर सवाल उठाने के लिए इस्तेमाल किया। पार्टी के शैडो चैंसलर एंड्रयू मिल्फिथ ने दावा किया कि रोकॉस से होने वाली कर आय की भरपाई के लिए औसत करदाताओं में से 38,000 लोगों के बराबर योगदान की जरूरत होगी। धनी कारोबारियों का दूसरे देशों में जाना केवल कर राजस्व का मामला नहीं है। इससे निवेश, रोजगार, संपत्ति बाजार और वित्तीय सेवाओं से जुड़े कारोबार पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि कितने लोग स्थायी रूप से देश छोड़ेंगे हैं और उनके कारोबार तथा निवेश का कितना हिस्सा दूसरे देशों में स्थानांतरित होता है।